vinetur

यूरोपीय आयोग ऑस्ट्रिया की रेड वाइन के आसवन के लिए 5 मिलियन यूरो देगा

कम मांग के बीच उत्पादकों पर कीमतों का दबाव घटाने के लिए कार्यक्रम 2024 की विंटेज और उससे पुराने भंडार पर केंद्रित होगा

सोमवार, 16 नवंबर 2026



ऑस्ट्रिया ने 15 नवंबर को बताया कि यूरोपीय आयोग 2024 की विंटेज और उससे पुरानी ऑस्ट्रियाई रेड वाइन के लिए संकट-कालीन आसवन कार्यक्रम हेतु 5 मिलियन यूरो तक उपलब्ध कराएगा। बाजार में हस्तक्षेप के इस उपाय का उद्देश्य अतिरिक्त मात्रा को हटाना और कमजोर मांग का सामना कर रहे उत्पादकों पर दबाव कम करना है।

कृषि मंत्रालय ने यह घोषणा करते हुए कहा कि आसवन के जरिए अतिरिक्त रेड वाइन को बाजार से हटाकर घरेलू वाइन बाजार को स्थिर करना इस उपाय का उद्देश्य है। मंत्रालय के अनुसार, पुराने रेड वाइन के भंडार को बेचने में लगातार आ रही मुश्किलों के कारण ऑस्ट्रियाई वाइन उत्पादक भारी आर्थिक दबाव में हैं।

कृषि मंत्री Norbert Totschnig ने कहा कि यह धनराशि अतिरिक्त आपूर्ति घटाने और कीमतों पर दबाव का मुकाबला

करने के लिए ऑस्ट्रिया को एक लक्षित उपाय उपलब्ध कराएगी। मंत्रालय ने इस योजना को वाइन उत्पादक व्यवसायों के लिए सहायता और देश के वाइन क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थिरता की दिशा में एक कदम बताया।

ऑस्ट्रियाई वाइन उत्पादक संघ ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया। इसके अध्यक्ष Johannes Schmuckenschlager ने कहा कि कई उत्पादकों के पास अब भी पुरानी रेड वाइन का भंडार है, जिसकी फिलहाल बहुत कम मांग है। उनके मुताबिक, इस उपाय से इन भंडारों को घटाने और कीमतों पर दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अब व्यवसायों को भागीदारी की सरल प्रक्रिया, मुआवजे के बारे में समय रहते स्पष्टता और शीघ्र भुगतान की जरूरत है।

मंत्रालय की योजना के अनुसार, उपलब्ध धनराशि से इस उपाय से जुड़े सभी खर्च पूरे किए जाएंगे। इनमें वाइन का संग्रह, अस्थायी भंडारण और उसे आसवन केंद्र तक पहुंचाना शामिल है। शेष धनराशि सीधे वाइन उत्पादकों को दी जाएगी।

मंत्रालय ने कहा कि यूरोपीय आयोग 4 दिसंबर को संबंधित समिति के समक्ष विनियमन का मसौदा पेश करेगा। इस प्रस्ताव में कार्यक्रम की औपचारिक शर्तें, संचालन संबंधी विवरण और योजना के तहत जमा की गई वाइन के लिए उत्पादकों को मिलने वाली कीमत तय होने की उम्मीद है।

व्यावहारिक कार्यान्वयन के लिए ऑस्ट्रिया को उम्मीद है कि वह 2020 में इस्तेमाल किए गए संकट-कालीन आसवन कार्यक्रम जैसा मॉडल अपनाएगा। पहले वाइन को एक बड़े संग्रह केंद्र पर इकट्ठा किया जाएगा और फिर एकत्रित खेपों में आसवन संयंत्र तक भेजा जाएगा।

इस कदम का महत्व अंगूर-बागानों के वित्तीय लेखे-जोखे से आगे भी है, क्योंकि संकट-कालीन आसवन का उद्देश्य बाजार से अतिरिक्त आपूर्ति हटाना है। योजना के मुताबिक काम होने पर इससे वाइन की कीमतों पर दबाव कम करने और व्यापक पेय व्यापार पर पड़ने वाला तनाव घटाने में मदद मिल सकती है। किसी एक खंड में लगातार बनी अतिरिक्त आपूर्ति से भंडार, लाभ मार्जिन और खरीद संबंधी फैसले प्रभावित हो सकते हैं।

ऑस्ट्रिया की घोषणा में यह समय-सारिणी नहीं दी गई कि उत्पादक कब आवेदन कर सकेंगे या भुगतान कब शुरू होगा। दिसंबर में आयोग द्वारा मसौदा नियम प्रकाशित किए जाने के बाद इन बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।